

27 ~~58~~
19

पत्रावली भरा हुई। कई बार आवाज लग गई गई पल्लू,
वादीयण की ओर से कोई अपील नहीं। अतः
एक वादीयण अदम्य राजी मदन पौरी में प्रारंभ
किया जाता है। पत्रावली में लल्लु मगर होकर
नभर से एक की जाये तब जा फलदा मिल
दुपतर ही।

उपसंहारिकेकारी .
घोलपर (राज)